कक्षा पहली

2. हिंदी (प्रथम भाषा)

(पहली से पाँचवीं कक्षा के लिए)

उद्देश्य :–

प्राइमरी के पाँचवें वर्ष के अन्त तक पढ़ाई का निम्नलिखित स्तर प्राप्त करने का दृष्टिकोण ध्यान में रखा जाए :–

मौखिक :

(क) बच्चे में वर्णों के मेल से अर्थपूर्ण शब्द बनाने की योग्यता का विकास करना ।

(ख) बच्चे में सही–सही, ध्यान से और मन्तव्य से सुन सकने की योग्यता का विकास करना, जिससे :

1. वह संदेश को सुनकर उसे ठीक ढंग से समझ सके;
2. वह किसी वार्ता या भाषण को सुनकर इस सम्बन्ध में कुछ प्रश्नों के उत्तर दे सके;
3. भाषण या वार्ता आदि सुनकर वह अपनी रूचि की बातों की ओर आकृष्ट हो सके।

(ग) बच्चे में प्रभावशाली ढंग से बोलने की ऐसी क्षमता उत्पन्न करना जिससे वह सही एवं अनुरूप विधि से :–

1 बोली की प्रत्येक ध्वनि का अलग–अलग व सही उच्चारण करने की क्षमता अर्जित कर सके;

2 सही– सही उच्चारण और वाक्यों के उतार–चढ़ाव के साथ बोलने की विधि सीख ले,

3 व्याकरण की दृष्टि से सही वाक्य बोल सके;

4 अपने जीवन, स्कूल, घर और आस–पड़ोस के बारे में निधड़क रूप से बातचीत कर सके।

5 साधारण कहानियाँ सुना सके;

6 अपने द्वारा किए गए काम का संक्षेप में उल्लेख कर सके;

7 समूह में या अकेले ही किसी छोटी कविता को प्रभावशाली ढंग से सुना सके;

8 अपने विचारों को सही तथा स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करने के लिए शब्दावली का चयन कर सके ।

पढ़ाई

(क) विद्यार्थी में ज़ोर से, साफ, स्पष्ट व रूचि से पढ़ाई की योग्यता पैदा करना, जिससे;–

1 वह पढ़े हुए शब्दों पर उचित बल दे सके और उचित (शुद्ध) उच्चारण कर सके;

2 वह पढ़ी हुई सामग्री का अर्थ व मंतव्य समझ सके ।

(ख) वह अर्थ–ग्रहण करता हुआ उचित गति से पढ़ सके, जिससे :

1 वह चुपचाप बिना होठ हिलाये पढ़ सके ;

2 वह पढ़ी हुई रचना के अंश में आए विचारों के सम्बन्ध में प्रश्नों के उत्तर दे सके;

3 वह बाल–साहित्य व हस्त–लिखित साधारण पत्रों को पढ़ सके ;

4 ज्ञान और आनन्द प्रदान करने वाली पुस्तकों के प्रति मन में आदर की भावना पैदा हो सके;

5 नये शब्दों और मुहावरों का वाक्यों मे प्रयोग करना सीख सके ।

लिखाई :

क) विद्यार्थी में उचित ढंग से स्पष्ट, सही, संक्षिप्त और प्रभावशाली ढंग से लिखने की योग्यता पैदा करना, जिससे :

1 उसे अक्षरों या वर्णों के सही रूप व आकार की जानकारी हो और इनको लिखने की ठीक विधि आ जाये;

2 उसे सीखे हुए शब्दों के सही वर्ण–योग का ज्ञान हो;

3 उसे विराम चिह्न और उनके प्रयोग का ज्ञान हो;

4 उसे अक्षरों के आकार, तिरछेपन और बीच के स्थान का ज्ञान हो;

5 वह अभिव्यक्ति में सही शब्दों का प्रयोग कर सके;

6 उसे विचारों की संयुक्तता तथा उनको क्रमबद्ध ढंग से लिखने का ज्ञान हो;

ख) विद्यार्थी में निजी पत्र, साधारण आवेदन पत्र लिखने की क्षमता विकसित करना, जिससे :

1 उसे आवेदन पत्र के आरम्भ, मध्य, अन्त व पता लिखने की सही विधि का ज्ञान हो;

2 उसे सुव्यवस्थित विचारों को अनुच्छेदों में लिखने की क्षमता प्राप्त हो ।

ग) विद्यार्थी में सृजनात्मक लेखन के लिए योग्यता पैदा करना, जिससे वह :

1 किसी वास्तविक या काल्पनिक घटना या दृश्य का वर्णन कर सके;

2 दिए हुए संकेतों से कहानी विकसित कर सके;

3 आधी कहानी को पूरा कर सके;

4 अपने विचारों को अपने शब्दों में अभिव्यक्त कर सके।

कक्षा : 4

हिंदी (प्रथम भाषा)

मौखिक अभिव्यक्ति :

विद्यार्थी में निम्नलिखित योग्यताओं का विस्तार करना:

1 भाषा के सुन्दर और शिष्ट रूप का प्रयोग:

2 स्कूल या किसी अन्य सभा में भाषण करना:

3 कहानी, चुटकले सुना सकना और पहेलियाँ डालनी तथा उनके उत्तर देना:

4 स्कूल, गाँव या कस्बे में घटित घटनाओं को वर्णित करना:

5 प्रभावशाली ढंग से कविता पाठ करना:

6 सरल वार्तालाप या भाषण मुकाबलों में भाग लेना:

7 जीवन की साधारण झाँकियों की नकल उतारनी या छोटे-छोटे नाटकों में अभिनय करना:

8 उचित गति और बोली के बीच ठहराव, बल, हाव-भाव, आदि का सही प्रयोग और बोलते समय मानक बोली का प्रयोग।

पढ़ाई :

विद्यार्थी में निम्नलिखित योग्यताओं का विस्तार करना:

1 सही उच्चारण और बढ़िया ढंग से पाठ्य-पुस्तक में से वार्ता और कविता के अंशों को बोलकर पढ़ना:

2 चुपचाप उचित / तीव्र गति और ठीक समझ से पढ़ना:

3 दो पूरक-रीडर पढ़ना। रुचि के समाचार-पत्र तथा बालकों के लिए लिखी गई पुस्तकों आदि को पढ़ने के प्रति प्रेरित होना:

4 पहले सीखे हुए शब्दों के अतिरिक्त 200 से 250 तक नए शब्द सीखना। बच्चों को शब्दकोश प्रयोग के लिए प्रेरित करना।

लिखाई : विद्यार्थी में निम्नलिखित योग्यताओं का विस्तार करना :

1 श्रुतलेख लिखने के योग्य हो सके:

2 पढ़े हुए पाठ से साधारण प्रश्नों के उत्तर दे सके:

3 कविता की पंक्तियाँ पूरी कर सके।

4 पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ लिख सके।

5 संक्षिप्त वाक्य बना सके।

6 मुहावरों का प्रयोग कर सके

7 व्यावहारिक व्याकरण

8 चित्र देख कर समझ अनुसार वाक्य लिखना

9 अपने शब्दों में सरल कहानियाँ लिख सके, दो मित्र और भालू, लालची कुत्ता, प्यासा कौआ, दो बकरियाँ

10 माता-पिता, मित्रों और रिश्तेदारों को साधारण पत्र लिखने के योग्य हो तथा इनमें:

(क) पता और पत्र लिखने की तारीख

(ख) पता लिखने की विधि,

(ग) पत्र लिखने की विधि

(घ) पत्र के विषय में आरम्भ, विस्तार, पत्र का अन्त आदि स्पष्ट रूप में समझ सके।

पत्र

1) बीमारी के कारण स्कूल के अध्यापक / मुख्याध्यापक / प्रधान अध्यापक को प्रार्थना पत्र।
2) कोई ज़रूरी काम होने के कारण स्कूल से अवकाश लेने के लिए प्रार्थना पत्र।
3) मित्र / सहेली को जन्म दिन की बधाई देते हुए पत्र।
4) मित्र / सहेली को अपने जन्म दिन पर निमंत्रण पत्र।

11 घर, परिवार, स्कूल, मित्र /रिश्तेदार से सम्बन्धित छोटा सा लेख लिख सकें:

लेख

मेरा मित्र, मेरा प्रिय अध्यापक, मेरा स्कूल, मेरे घर का बगीचा, मेरी माँ

पाठ्य-पुस्तक : हिंदी पुस्तक-4
(पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित)